पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

भारत सरकार का उपक्रम

एक महारत्न कंपनी

राजभाषा कार्यान्वयन / अनुसरणीय कार्य

राजभाषा यूनिट की प्रस्तुति

भूमिका

1. राजभाषा संबंधी संवैधानिक एवं सांविधिक प्रावधानों के अनुरूप हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु क्षेत्रीय कार्यालयों सहित निगम में हिंदीमय वातावरण का निर्माण करना ।

2. निगम में भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में निगम के अधिकारियों की सहायता एवं उनका मार्गदर्शन करना ।

3. हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए:-

- राजभाषा नीति के बारे में जानकारी देकर, विभिन्न कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों के माध्यम से कार्मिकों में जागरूकता एवं संवेदना का निर्माण करना ।
- हिंदी भाषा, टाइपिंग, आशुलिपि तथा आईटी टूल्स के प्रयोग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निगम के सभी स्तर के कार्मिकों में क्षमता निर्माण/वृद्धि करना
- निगम की सभी यूनिटों के कार्मिकों से निजी संपर्क स्थापित कर उन्हें हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करना।
- भारत सरकार के आदेशों के अनुपालन के संदर्भ में विभिन्न मंत्रालयों/संस्थाओं/संगठनों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखना।

मुख्य दायित्व

- राजभाषा हिंदी के सफल कार्यान्वयन के लिए 12 "प्र" की रूपरेखा के माध्यम से निगम में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देना और कार्मिकों के लिए बेहतर प्रोत्साहन योजनाएं बनाना तथा उन्हें लागू करना ।

- निजी संपर्क कार्यक्रमों तथा निरीक्षणों के माध्यम से सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग के संबंध में सांविधिक तथा प्रशासनिक अपेक्षाओं के कार्यान्वयन की मॉनीटरिंग करना ।

- निगम के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करके उन्हें संबंधित सरकारी आदेशों से परिचय कराना, इसका प्रचार-प्रसार करना और उनकी सहायता करना ।

- हिंदी के प्रति जागरूकता एवं रूचि उत्पन्न करने के लिए हिंदी दिवस तथा हिंदी माह या पखवाड़े, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करना ।

- निगम के कार्मिकों द्वारा धारित हिंदी के ज्ञान संबंधी रोस्टर तैयार करना ।

- विभिन्न सरकारी मंत्रालयों/विभागों द्वारा यथा अपेक्षित हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही रिपोर्टें, छमाही रिपोर्टें एवं वार्षिक रिपोर्टें तैयार करना ।

- निगम की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित करना तथा समिति द्वारा लिए गए निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित करना ।

पुरस्कार एवं सम्मान

वर्ष 2022-23 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार

पुरस्कार एवं सम्मान

पीएफसी को 'क' क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ राजभाषा नीति कार्यान्वयन हेतु प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान:

- वर्ष 2022-23 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार
- वर्ष 2021-22 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार
- वर्ष 2020-21 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार
- वर्ष 2019-20 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार
- वर्ष 2018-19 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार
- वर्ष 2017-18 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार
- वर्ष 2016-17 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार
- वर्ष 2015-16 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार,
- वर्ष 2014-15 के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार,
- वर्ष 2013-14 के लिए 'इंदिरा गांधी राजभाषा प्रथम पुरस्कार'
- वर्ष 2017-18 के लिए पीएफसी को राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 'नराकास राजभाषा शील्ड' प्रदान की गई।
- वर्ष 2014-15 के लिए पीएफसी को विद्युत मंत्रालय की 'राजभाषा शील्ड' (तृतीय पुरस्कार) प्रदान की गई।
- फरवरी, 2013 में पोर्ट ब्लेयर में 'राजभाषा के कार्यान्वयन और प्रशिक्षण मिशन' द्वारा आयोजित 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' में पीएफसी को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर “कंठस्थ” अनुवाद प्रतियोगिता

पुरस्कार एवं सम्मान

श्री रविन्द्र (सहायक प्रबंधक)

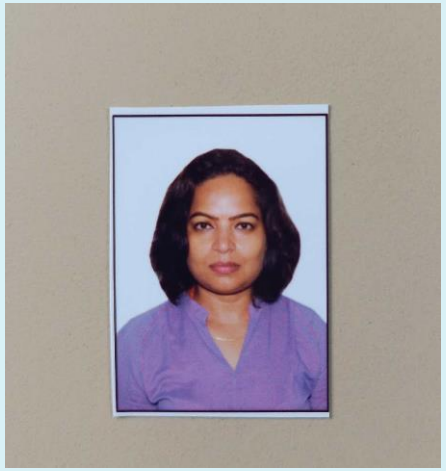

सुश्री सुनीति कुमारी (सहायक)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2023 से 31 जुलाई 2023 के दौरान ‘कंठस्थ 2.0’ के माध्यम से आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता में निगम की राजभाषा यूनिट के **श्री रविन्द्र (सहायक प्रबंधक) ने “जांचकर्ता श्रेणी”** में एवं **सुश्री सुनीति कुमारी (सहायक) ने “अनुवादक श्रेणी”** में पुरस्कार प्राप्त किया।

गृह-पत्रिका “ऊर्जा दीप्ति” 2022-2023

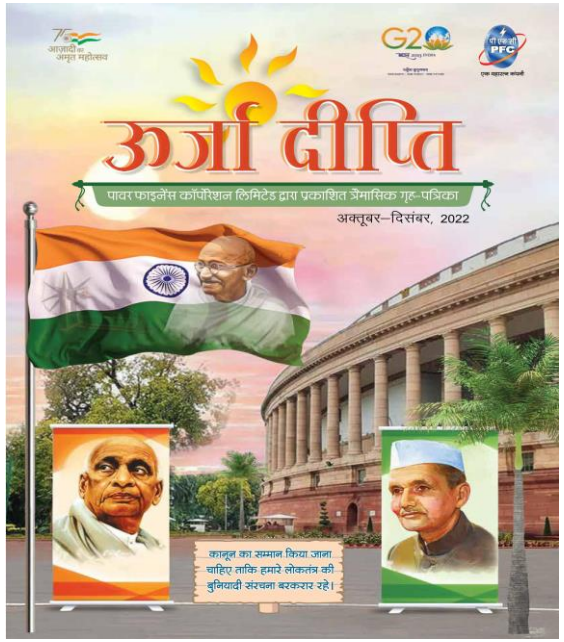

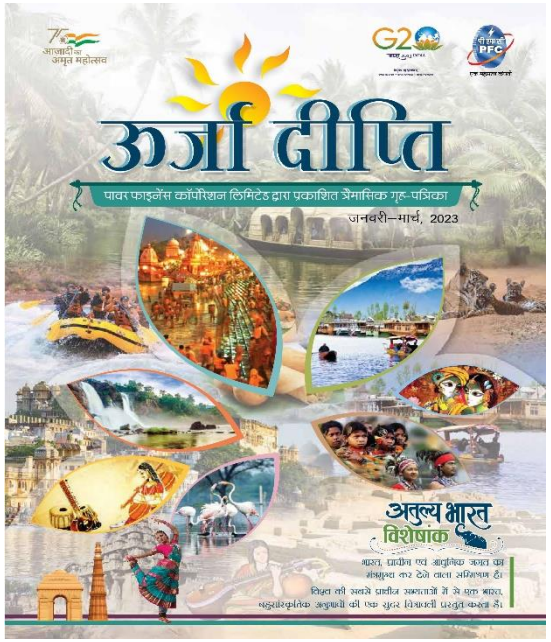

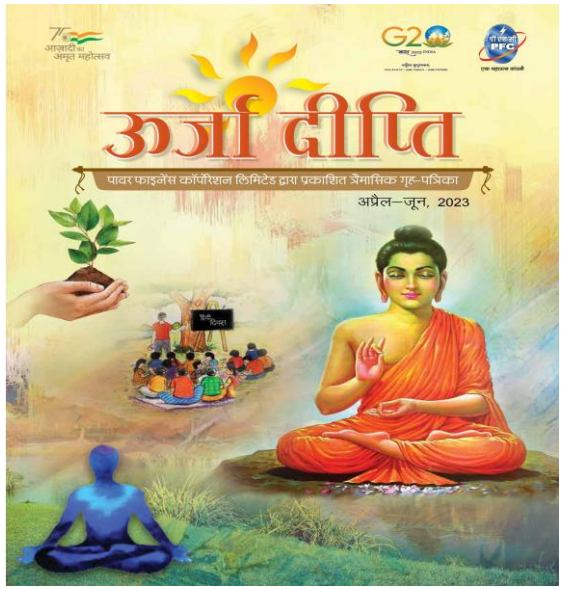

गृह-पत्रिका “ऊर्जा दीप्ति”

- **पी एफ़ सी** द्वारा वर्ष 1993 से **त्रैमासिक गृह-पत्रिका ‘ऊर्जा दीप्ति’** का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है, जिसे समय-समय पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, विद्युत मंत्रालय, हिंदी अकादमी एवं अन्य संस्थाओं द्वारा अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।
- ऊर्जादीप्ति को कोलकाता में आयोजित पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया के 16वें वार्षिक ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव 2022 में **बेस्ट हाउस जर्नल प्रिंट (क्षेत्रीय) श्रेणी** में **सिल्वर अवार्ड** ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-I), दिल्ली द्वारा आयोजित ‘**श्रेष्ठ गृह-पत्रिका श्रेणी**’ में ऊर्जा-दीप्ति को **प्रथम पुरस्कार**।
- **‘ऊर्जा दीप्ति’** का समय-समय पर विशेषांक भी प्रकाशित किए गए हैं जिसमें **‘भारतीय संस्कृति विशेषांक’, ‘राजभाषा विशेषांक’** आदि शामिल हैं। पत्रिका के प्रत्येक अंक को विभिन्न विभागों, निगमों और कार्यालय से सराहना एवं प्रशंसा मिलती रही है।
- निगम की गृह-पत्रिका 'ऊर्जा दीप्ति' प्रकाशन के 25 वर्ष पूरे होने पर सभी कार्मिकों को 'प्रेमचंद की 51 श्रेष्ठ कहानियां' तथा 'भारतीय वीरांगनाएं' नामक दो-दो हिंदी पुस्तकें भी वितरित की गईं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा नीति के सुचारू कार्यान्वयन एवं समुचित अनुपालन के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। निदेशक (वाणिज्यिक) समिति के उपाध्यक्ष है। निदेशक (परियोजना), निदेशक (वित्त) तथा सभी विभागध्यक्ष इसके सदस्य है। समिति की बैठकें नियमित अंतराल पर प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में मुख्यतः राजभाषा नीति कार्यान्वयन संबंधी स्थिति की समीक्षा तथा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि के विषयों पर विचार-विमर्श किया जाता है।

विभागीय हिंदी बैठकें

निगम की यूनिटों द्वारा अपने-अपने विभागाध्यक्षों की अध्यक्षता में विभागीय बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिनमें संबद्ध यूनिटों में हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया जाता है। इन बैठकों के आयोजन से यूनिटों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग में वृद्धि हुई है ।

समीक्षा बैठकें

राजभाषा यूनिट द्वारा प्रत्येक तिमाही में विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में संबंधित यूनिट के सभी अधिकारी भी भाग लेते हैं। समीक्षा बैठक का उद्देश्य यूनिटों द्वारा प्रत्येक तिमाही में राजभाषा संबंधित किए गए विभिन्न कार्यों की समीक्षा करना होता है।

निजी संपर्क एवं निरीक्षण कार्यक्रम

राजभाषा यूनिट के अधिकारी निगम की यूनिटों में जाकर उनके विभागाध्यक्षों तथा यूनिट के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों से मिलते है और उनकी यूनिट के कार्य की प्रकृति, हिंदी में किए जा रहे कार्यों, उनकी समस्याओं और समाधान पर विचार-विमर्श किया जाता है। साथ ही, उनकी यूनिट में किन अन्य क्षेत्रों में हिंदी में काम किया जा सकता है, इसके बारे में चर्चा की जाती है।

कार्यशालाए / संगोष्ठियां एवं राजभाषा सम्मेलन

निगम के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए कार्यशालाएं/ संगोष्ठियां आयोजित करके उन्हें संबंधित सरकारी आदेशों और उनके दायित्वों से परिचित कराया जाता है, इसका प्रचार-प्रसार किया जाता है और व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर हिंदी में काम करने में उनकी सहायता की जाती है। इस कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में समय-समय पर कार्यपालक निदेशक स्तर तक के वरिष्ठ अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण में यूनिकोड तथा वॉइस टू टाइप प्रशिक्षण भी शामिल है।

प्रतियोगिताएं

निगम में कार्मिकों को हिंदी के प्रोत्साहित करने हेतु प्रति समय-समय पर विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। निगम में निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं:

- ✓राजभाषा नीति, नियम प्रतियोगिता
- ✓हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता
- ✓शब्द मंथन प्रतियोगिता
- ✓चित्र कुछ बोलते हैं प्रतियोगिता
- ✓शब्दों का ताना बाना प्रतियोगिता

प्रोत्साहन योजनाएं

निगम में 07 प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं, जो निम्नानुसार हैं :-

- हिंदी में कार्य के प्रतिशत के आधार पर पुरस्कार योजना
- विशिष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार योजना
- राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सर्वश्रेष्ठ यूनिट को शील्ड
- हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए नोडल अधिकारियों के लिए विशेष पुरस्कार योजना
- हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर पुरस्कार योजना
- कार्मिकों के बच्चों के लिए हिंदी प्रोत्साहन योजना
- हिंदी मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार योजना

सहायक सामग्री

- सभी फाइलों के आंतरिक कवर पर हिंदी में मानक संक्षिप्त टिप्पणियां छपवाई गईं। पत्रावलियों पर टिप्पणियां, फाइलों पर नोटिंग, मंजूरी आदेश, अनेक विवरणियां, रिपोर्टें, आईओएम, नोटिस, कवरिंग पत्र, अनुस्मारण, पावतियां, आरटीआई के उत्तर जैसे अनेक कार्य कार्मिकों द्वारा हिंदी में किए जा रहे हैं।
- निगम में प्रयुक्त होने वाले दावा फॉर्म द्विभाषी रूप में इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं। कार्मिकों की सुविधा के लिए निगम में प्रयुक्त होने वाले A to Z शब्दों की विभागवार शब्दावली, छोटे-छोटे वाक्यों की A to Z सूची और विभिन्न यूनिटों द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे मानक प्रपत्र, संस्वीकृति पत्र, करार ज्ञापन (Memorandum of Agreement) जैसे दस्तावेज भी हिंदी में इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।
- पीएफ़सी में प्रयुक्त होने वाली छोटी-छोटी टिप्पणियों का एक संकलन तैयार कर उसकी बुकलेट सभी कार्मिकों को वितरित भी की गई है।
- समय-समय पर कार्मिकों को शब्दावलियां एवं शब्दकोश भी वितरित किए जाते हैं।
- कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित करने के लिए समय-समय पर पुस्तकें वितरित की जाती हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान “शरतचंद्र की लोकप्रिय कहानियाँ” पुस्तक वितरित की गई।

द्विभाषीकरण

- निगम एवं विद्युत मंत्रालय के बीच समझौता-ज्ञापन द्विभाषी रूप में हस्ताक्षरित किया जाता है। इस पर सचिव, विद्युत मंत्रालय तथा पीएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने हस्ताक्षर करते हैं।
- निगम की वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश हिंदी में भी वितरित किया जाता है।
- निगम की टेलीफोन सूची द्विभाषी रूप में कार्मिक पोर्टल पर उपलब्ध है।
- निगम की वार्षिक रिपोर्ट हर वर्ष द्विभाषी रुप में प्रकाशित की जाती है।
- निगम में प्रयुक्त होने वाला दावा फॉर्म द्विभाषी रूप में इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

समय-समय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

- "हिंदी माह" के उपलक्ष्य में दिनांक 10.10.2023 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में पीएफसी कार्मिकों के लिए सांस्कृतिक संध्या एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक संध्या में कार्मिकों द्वारा नाटिका, नृत्य, गायन-वादन, शेरो-ओ-शायरी जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवियों - श्री आलोक श्रीवास्तव, श्री महेश गर्ग 'बेधड़क', श्री अनिल 'अग्रवंशी', श्री राजेश 'चेतन',श्री योगेंद्र शर्मा, डॉ. रुचि चतुर्वेदी को सादर आमंत्रित किया गया।
- "हिंदी माह" के दौरान दिनांक 07.10.2022 को "महाभारत –एक अमर कथा" नाटक का आयोजन किया गया। यह नाटक जानी-मानी थियेटर कंपनी फेलिसिटी थियेटर द्वारा प्रस्तुत किया गया। यह नाटक फिल्म, टेलीविजन के दिग्गज कलाकार पुनीत इस्सर द्वारा लिखित और निर्देशित है। पुनीत इस्सर के साथ-साथ गुफ़ी पेंटल, राहुल भूचर जैसे कई दिग्गज कलाकारों ने इस नाटक में अपना शानदार अभिनय प्रस्तुत किया।
- दिनांक 13.10.2021 को हिंदी माह समापन समारोह एवं आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवियों - प्रो. वसीम बरेलवी, डॉ. सुनील जोगी, श्री विनीत चौहान, डॉ. कीर्ति काले एवं श्री प्रवीण शुक्ल को सादर आमंत्रित किया गया।
- दिनांक 13.10.2020 को हिंदी माह समापन समारोह के अवसर पर एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पीएफ़सी के कार्मिकों द्वारा पीएफ़सी गान, काव्य-पाठ जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।
- दिनांक 23.10.2019 को प्रवासी भारतीय केंद्र में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पीएफ़सी के कार्मिकों द्वारा विभिन्न प्रादेशिक नृत्य, गीत-संगीत, नाटक, कविता-पाठ आदि प्रस्तुत किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

- निगम द्वारा दिनांक 26.04.2019 को हिंदी साहित्य की निर्गुण भक्ति धारा के महान् संत कवि कबीरदास जी को समर्पित 'कबीर: अंतर्मन की आवाज' नृत्य-सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया।
- विश्व हिंदी दिवस के अवसर दिनांक 14 जनवरी, 2019 को श्रीराम भारतीय कला केंद्र के कलाकारों द्वारा कमानी ऑडिटोरियम में 'कृष्ण' नृत्य नाटिका का आयोजन किया गया।
- दिनांक 12.10.2018 को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पीएफ़सी के कार्मिकों द्वारा विभिन्न प्रादेशिक नृत्य, गीत-संगीत, नाटक, कवि-आठ आदि प्रस्तुत किए गए। इनमें से एक नाटिका में राजभाषा नीति और पीएफ़सी में उसके कार्यान्वयन संबंधी थी।
- दिनांक 16.07.2018 को पीएफ़सी के स्थापना दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- निगम की गृह-पत्रिका 'ऊर्जा-दीप्ति' प्रकाशन के 25 वर्ष पूरे होने पर 'रजत जयंती समारोह' का आयोजन किया गया और दिनांक 16.03.2018 को श्रीराम भारतीय कला केंद्र में 'कर्ण' नृत्य-नाटिका का मंचन किया गया।
- दिनांक 09.10.2017 को श्रीराम भारतीय कला केंद्र में उनके कलाकारों द्वारा 'श्रीराम' नृत्य-नाटिका का आयोजन किया गया।